



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 248]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 24, 2009/वैशाख 4, 1931

No. 248]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 24, 2009/VAISAKHA 4, 1931

रक्षोपाय, सीमा-शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क महानिदेशालय  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 2009

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय :—कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के आयातों के बारे में रक्षोपाय जांच ।

सा.का.नि. 285(अ).—सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम, 1997 को ध्यान में रखते हुए—

## 1. प्रक्रिया

i. भारत में कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के आयातों के बारे में रक्षोपाय जांच की शुरुआत की सूचना 20 अप्रैल, 2009 को जारी की गई थी और उसे उसी दिन भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था । सूचना की एक प्रति समस्त ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को भी निम्नानुसार भेजी गई थी :—

### घरेलू उत्पादक

i. आईटीसी लि.—पेपर बोर्ड्स एंड स्पेशियलिटी पेपर्स डिविजन

106, सरदार पटेल रोड,  
सिकंदराबाद-500003, आन्ध्र प्रदेश  
दूरभाष : +91-040-27846566-73  
फैक्स : +91-040-27810257

ii. बल्लारपुर इंड. लि.

फर्स्ट इंडिया प्लेस, टॉवर सी,  
मेहरौली गुड़गाँव रोड,  
गुड़गाँव (हरियाणा)-122001  
दूरभाष : +91-124-2804242/43  
फैक्स : +91-124-2389495

iii. जेके पेपर लि.

नेहरू हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग,  
नई दिल्ली-110 002  
दूरभाष : +91-011-43584137

फैक्स : +91-011-23712680

(1)

### घरेलू उत्पादक एसोसिएशन

- I. इंडियन पेपर मैन्यू एसोसिएशन  
पीएचडी हाउस (चौथा तल)  
4/2 सीरी इंस्टिट्यूशनल एरिया  
(एशियन गेम्स विलेज के सामने)  
नई दिल्ली-110 016

### आयातक तथा प्रयोक्ता

- I. चिमनलाल फीन पेपर प्रा. लि.  
40/42, बॉम्बे म्युचुअल बिल्डिंग  
293, डॉ. डी. एन. रोड, मुम्बई
- II. इनफिनिटी इंड. प्रा. लि.  
हारून हाउस, प्रथम तल  
294, पारीन नरीमन स्ट्रीट  
आरबीआई के सामने, मुम्बई
- III. अजंता ऑफसेट एंड पैकेजिंग लि.  
प्लॉट सं. 61, सेक्टर 27- सी,  
फरीदाबाद, हरियाणा – 121003
- IV. एरो एक्सपोर्टर्स  
प्लॉट नं. 183, सेक्टर IV,  
मानेसर, गुड़गाँव, हरियाणा  
एफ-80, खानपुर एक्स.  
दिल्ली ।
- V. न्यूटैक फोटोलिथोग्राफिक  
सी-74, ओखला इंड. एरिया,  
फेज-I, नई दिल्ली-110020
- VI. रैपलिका प्रेस प्रा. लि.  
310 व 311, एचएसआईडीसी, किंडली, हरियाणा-131028
- VII. बृजबासी प्रिंटर्स  
ई-46/11, ओखला इंड. एरिया  
फेज-II, नई दिल्ली-VIII

- VIII. राजाराम  
2396 चट्टा शाह जी  
चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006
- IX. शोबा कार्ड्स  
ग्लोबल हाउस  
4800/24, भरत राम रोड  
दरियागंज, नई दिल्ली-110002
- X. सुनेजा सन्स  
423-चिलता गेट  
चावड़ी बाजार  
दिल्ली-110006

### निर्यातक एवं विदेशी उत्पादक

- I. गोल्ड ईस्ट पेपर (जियांगशु) कं. लि.  
8क्रॉसिंग गेंग डाँग आरडी,  
देगांग, झेनजियांग  
जियांगशु, चीन-212132
- II. एपीपी-इंडोनेशिया  
पीटी पिंडो डेली पल्प एंड पेपर मिल्स,  
बी-11-मेनारा II  
9वाँ तल, जेएलएमएच थमरिन सं. 51  
जकार्ता
- III. सप्पी : मै. सप्पी ऊयूश लैंड  
जीएमबीएच बरलिनर ऐली  
14डी-30175, हनोवर  
मार्फत- सप्पी सिंगापुर पीटीई अन्सन रोड 079903
- IV. स्टोरा एन्सो ओइज पो. बॉ. 309,  
एफआई-00101 हेलसिंकी,  
फिनलैंड, दूरभाष- +358 2046 131,  
फैक्स. +358 2046 21471
- V. चेनमिंग पेपर कं. लि.  
ननचैन चेंगबाई इकोनॉमिक एंड टेक्निकल डेवलपमेंट जोन  
जियांगशी, चीन
- VI. मै. स्टोरा एन्सो सुझाऊ पेपर कं. लि.

600 बिनहे रोड  
सोझाऊ न्यू डिस्ट्रिक्ट सुझाऊ सिटी  
चीन

- VII. एम-रियल कॉर्पोरेशन,  
पी. ओ. बॉक्स 20,  
मेत्सा 02020,  
फिनलैंड
- VIII. मूरिम पेपर कं.  
281-1 शेंगयाँग- डाँग,  
जिजु- एसएल, 660903  
दक्षिण कोरिया
- IX. हँगकाँग पेपर मैन्यू. कं. लि.  
# 14, इमगुवांग बिल्डिंग,  
मिजियम- डाँग  
सिओल,  
दक्षिण कोरिया
- X. हैनसोल पेपर कं. लि.,  
22वाँ तल, हैनसोल बिल्डिंग  
736-1, योकसेम-डाँग  
गेंगनाम- गु- सिओल  
135-080, दक्षिण कोरिया
- XI. गोल्ड ईस्ट ट्रेडिंग (हँगकाँग) कं. लि.,  
यूनिट 501-504ए,  
एम्पायर सेंटर 68 मोदी रोड,  
टी सिंगशाशुई ईस्ट  
हँगकाँग
- XII. कोआ कं. लि.  
6-29 निशिकी 3- चोने नाका- कु नगोया,  
जापान
- XIII. वायटल सोल्यूशंस प्रा. लि.  
सिंगापुर 069532

## XIV. दाई पेपर (दक्षिण एशिया) प्रा. लि.,

3. शेन्टॉन वे, # 11-08,

शेन्टॉन हाउस सिंगापुर

## XV. सेलमार्क एशिया प्रा. लि.

47 स्कॉट्स रोड

# 12-01 गोल्डबेल टॉवर्स

सिंगापुर

ii. सूचना की एक प्रति नई दिल्ली स्थित उनके दूतावासों के जरिए संबद्ध देशों की सरकारों को भी भेजी गई थी ।

iii. प्रश्नावलियाँ समस्त ज्ञात घरेलू उत्पादकों, निर्यातकों और आयातकों को भी उसी दिन भेजी गई थी और उनसे 30 दिन के भीतर अपने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था ।

iv. आवेदन, उत्तर और अतिरिक्त अनुरोधों के समस्त अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फोल्डर में रखे गए हैं ।

## 2. घरेलू उद्योग के विचार

i. यह आवेदन (1) आईटीसी लि.-पेपर बोर्ड्स एंड स्पेशियलिटी पेपर्स डिविजन, 106, सरदार पटेल रोड, सिकंदराबाद- 50000, आंध्र प्रदेश, (2) बल्लारपुर इंड. लि., फर्स्ट इंडिया प्लेस, टावर सी, मेहरौली, गुडगाँव रोड, गुडगाँव, हरियाणा-122001 तथा (3) जे. के. पेपर लि., नेहरू हाऊस, 4, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 द्वारा भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए दायर किया गया है जिसका समर्थन इंडियन पेपर मैन्यू. एसोसिएशन, पीएचडी हाऊस (चौथा तल), 4/2 सीरी इन्स्टिट्यूशनल एरिया (एशियन गेम्स विलेज के सामने, नई दिल्ली-110016) ने किया है ताकि भारत में हुए विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के संवर्धित आयातों के कारण हुई गंभीर क्षति और उत्पन्न हुई गंभीर क्षति के सतत खतरे से घरेलू उत्पादकों की सुरक्षा की जा सके । आवेदकों ने निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे उठाए हैं ।

ii. आवेदकों ने आरोप लगाया है कि भारत में कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के संवर्धित आयातों की प्रवृत्ति से घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है ।

iii. घरेलू उद्योग मुख्यतः अध्याय शीर्ष 4810 के विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत आने वाले विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड का विनिर्माण करता है । घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उनके उत्पाद एचएसएन तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के शीर्ष 4810 13 10, 4810 13 20, 4810 13 30, 4810 13 90, 4810 14 10, 4810 14 20, 4810 14 30, 4810 14 90, 4810 19 10, 4810 19 20, 4810 19 30, 4810 19 90, 4810 29 00, 4810 31 00, 4810 32 00, 4810 92 00 तथा 4810 99 00 के अंतर्गत आने वाले आयातित उत्पाद के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं । आवेदकों ने आरोप लगाया है कि भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड और जो 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आता

है, के संवर्धित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है। पेपरों का निर्माण रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रिया अथवा इन दोनों के संयोजन से प्राप्त लुग्दी से किया जाता है। इसके अलावा, लुग्दी नए पौध स्रोतों अथवा पुनर्चक्रित पेपर्स के उपयोग से प्राप्त की जा सकती है। वर्तमान आवेदन में रासायनिक प्रक्रिया के उपयोग से विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड शामिल हैं। कोटिंग एक ओर या दोनों ओर की जा सकती है। ब्लेड कोटिंग प्रौद्योगिकी इन पेपरों तथा पेपर बोर्डों की कोटिंग हेतु सर्वाधिक आम है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद तकनीकी विशेषताओं, रासायनिक संरचना तथा अन्य मूलभूत विशेषताओं के रूप में एक समान हैं। इन सभी शीर्षों के उत्पादों का एक समान उपयोग होता है। अतः ये उत्पाद समान हैं और उत्पादों से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गुणवत्ता के संबंध में संभावित छिटपुट अंतरों के बावजूद इन उत्पादों में समान मूलभूत भौतिक विशेषताएँ हैं और इनके समान अंतिम उपयोग हैं। इनकी बिक्री एक समान या समानरूप बिक्री माध्यमों के जरिए की जाती है। ये उत्पाद मुख्यतः कीमत के संबंध में प्रतिस्पर्धा करते हैं। केवल एक 8-अंकीय स्तर पर शीर्ष के अंतर्गत रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा क्योंकि आयातक अन्य प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पादों का आयात शुरू कर देंगे। इस प्रकार, घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि उपर्युक्त के मद्देनजर रक्षोपाय जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त उत्पादों वाले उत्पाद क्षेत्र पर “विचाराधीन उत्पाद” के रूप में विचार किए जाने की जरूरत है।

- iv. उन्होंने आरोप लगाया है कि आयात कम कीमत पर हो रहे हैं जिससे उन्होंने अपना बाजार हिस्सा गँवाया है।
- v. कम कीमतों पर आयातों में वृद्धि अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण हुई है जैसाकि नीचे उल्लेख किया गया है।

निर्यातक देशों में माँग में गिरावट आने से इन देशों के विनिर्माता निर्यात में अत्यधिक छूट के जरिए अपने बेशी मालसूचियों से छुटकारा पाने के लिए बाध्य हुए हैं और यह ही आयात में अचानक वृद्धि का कारण है। प्रमुख प्रतिस्पर्धियों के पास संबंधित उत्पादन क्षमताओं की तुलना में काफी कम घरेलू माँग है। सुदूर पूर्व के पेपर उत्पादकों ने कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड की भारी क्षमता सृजित की है। इस क्षमता का अधिकांश भाग विकसित देशों के लिए होता है। विकसित देशों में माँग में अचानक कमी आने से विकसित देशों के आयातकों ने इन देशों से पेपर की खरीद बंद कर दी है जिसके परिणामस्वरूप निर्यातक देशों की कंपनियों के पास भारी स्टॉक जमा हो गया है। परिणाम यह हुआ है कि इन इकाइयों के पास कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड का अत्यधिक स्टॉक बच गया है जिसे वे भारत को कम कीमत पर निर्यात करने की कोशिश कर रही हैं जो अभी भी उचित दर से बढ़ रहा है। परिणामतः उन्होंने अपने भारी स्टॉक से कार्यशील पूँजी जारी करने हेतु कम कीमत पर भारतीय बाजार में उत्पाद का निर्यात शुरू कर दिया है जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है और गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है।

- vi. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता तथा लगाई गई पूँजी पर आय में कमी आई है। जाँच अवधि के दौरान आयातों की पहुँच कीमत और घरेलू बिक्री कीमत के बीच अंतर में वृद्धि हुई है तथा गंभीर क्षति हुई है और गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है।

- vii. संवर्धित आयातों द्वारा गंभीर क्षति होने और गंभीर क्षति के सतत खतरे के मद्देनजर उन्होंने कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के घरेलू उत्पादकों की रक्षा करने के लिए रक्षोपाय शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।
- viii. उन्होंने आरोप लगाया है कि अप्रत्याशित घटनाक्रम से आयातों में वृद्धि हो रही है और आयातों में वृद्धि से गंभीर क्षति हुई है। ऐसा कोई कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति/ गंभीर क्षति के खतरे की वजह मानी जा सके।
- ix. आवेदकों ने अनुरोध किया है कि कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड और कॉपी पेपर पर रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से सार्वजनिक हित को कोई नुकसान नहीं पहुँचेगा क्योंकि घरेलू कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड और कॉपी पेपर की कीमत भारत में कमोबेश स्थिर रहती है। इसके अलावा, आवेदकों ने अनुरोध किया है कि अपने कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रोजगार देने के अलावा पेपर उद्योग किसानों को अपनी आजीविका कमाने में मदद करता है और वह मृदा संरक्षण में प्रासंगिक होता है। अतः पेपर उद्योग की सुरक्षा हेतु रक्षोपाय शुल्क लगाया जाना वस्तुतः सार्वजनिक हित में है।
- x. आवेदकों का प्रस्ताव कुशलता में सुधार करने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए लागत मितव्ययिता लाने हेतु उचित कार्यनीति अपनाने का है।
- xi. उन्होंने आपात परिस्थितियों जिनमें ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा, के मद्देनजर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाने का भी अनुरोध किया है।

### 3. महानिदेशक के जांच परिणाम

- i. तुरंत रक्षोपाय शुल्क लगाने के मुद्दे की जांच की गई थी। यह पाया गया है कि 29.03.1995 और 12.11.2008 के बीच की अवधि के दौरान डब्ल्यूटीओ को कुल 168 रक्षोपाय संबंधी जांच शुरुआतों की सूचना दी गई है। यह पाया गया है कि इनमें से 15 मामलों में अतिशीघ्र अनंतिम रक्षोपाय की सिफारिश की गई है/उन्हें लागू किया गया है। कुछ मामलों में जांच शुरुआत की तारीख को भी अनंतिम रक्षोपाय की सिफारिश की गई है। दिनांक 29.7.1997 की अधिसूचना सं. 35/1997-एनटी-सी.शु. के तहत जारी सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियम, 1997 के नियम 9 में यह निर्धारित है कि महानिदेशक जांच की कार्यवाही तुरंत शुरू करेगा और निर्णायक परिस्थितियों में वह गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बारे में प्रारंभिक जांच परिणाम दर्ज कर सकता है। जांच को शासित करने वाले सिद्धांत सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियम, 2002 के नियम 6 में निर्धारित हैं जो नियम 9 से स्वतंत्र है। सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियम, 2002 के नियम 15 में जांच संपन्न होने के बाद पहले से अधिरोपित और संग्रहीत अनंतिम शुल्क से कम रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने के मामले में रक्षोपाय शुल्क में अंतर की वापसी का प्रावधान है। उक्त नियम के नियम 6, 9 और 15 के सुमेलित पाठन से यह निष्कर्ष निकलता है कि नियमों में प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क की तुरंत सिफारिश करने और इस बात की पुष्टि होने के बाद कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए नियम 6 के तहत जांच सम्पन्न होने के बाद लगाया गया शुल्क अनंतिम रक्षोपाय शुल्क से कम है तो उसके अंतर को वापस करने का प्रावधान है तथापि आपात परिस्थितियों में अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने में होने वाले किसी विलंब से ऐसी क्षति हो सकती है जिसकी भरपाई करना कठिन होगा। यह विवेकपूर्ण

माना गया था कि इन परिस्थितियों का विश्लेषण किया जाए ताकि यह निर्धारण किया जा सके कि क्या वे आपात परिस्थितियों की श्रेणी में आती हैं।

## ii. विचाराधीन उत्पाद

क. घरेलू उद्योग मुख्यतः अध्याय शीर्ष 4810 के विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत आने वाले विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड का विनिर्माण करता है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उनके उत्पाद एचएसएन तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के शीर्ष 4810 13 10, 4810 13 20, 4810 13 30, 4810 13 90, 4810 14 10, 4810 14 20, 4810 14 30, 4810 14 90, 4810 19 10, 4810 19 20, 4810 19 30, 4810 19 90, 4810 29 00, 4810 31 00, 4810 32 00, 4810 92 00 तथा 4810 99 00 के अंतर्गत आने वाले आयातित उत्पाद के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। आवेदकों ने आरोप लगाया है कि भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड और जो 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आता है, के संवर्धित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है। पेपरों का निर्माण रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रिया अथवा इन दोनों के संयोजन से प्राप्त लुग्दी से किया जाता है। इसके अलावा, लुग्दी नए पौध स्रोतों अथवा पुनर्चक्रित पेपर्स के उपयोग से प्राप्त की जा सकती है। वर्तमान आवेदन में रासायनिक प्रक्रिया के उपयोग से विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड शामिल हैं। कोटिंग एक ओर या दोनों ओर की जा सकती है। ब्लेड कोटिंग प्रौद्योगिकी इन पेपरों तथा पेपर बोर्डों की कोटिंग हेतु सर्वाधिक आम है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद तकनीकी विशेषताओं, रासायनिक संरचना तथा अन्य मूलभूत विशेषताओं के रूप में एक समान हैं। इन सभी शीर्षों के उत्पादों का एक समान उपयोग होता है। अतः ये उत्पाद समान हैं और उत्पादों से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गुणवत्ता के संबंध में संभावित छिटपुट अंतरों के बावजूद इन उत्पादों में समान मूलभूत भौतिक विशेषताएँ हैं और इनके समान अंतिम उपयोग हैं। इनकी बिक्री एक समान या समनुरूप बिक्री माध्यमों के जरिए की जाती है। ये उत्पाद मुख्यतः कीमत के संबंध में प्रतिस्पर्धा करते हैं। केवल एक 8-अंकीय स्तर पर शीर्ष के अंतर्गत रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा क्योंकि आयातक अन्य प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पादों का आयात शुरू कर देंगे। इस प्रकार, घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि उपर्युक्त के मद्देनजर रक्षोपाय जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त उत्पादों वाले उत्पाद क्षेत्र पर “विचाराधीन उत्पाद” के रूप में विचार किए जाने की जरूरत है।

ख. पेपरों का निर्माण रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रिया अथवा इन दोनों के संयोजन से प्राप्त लुग्दी से किया जाता है। इसके अलावा, लुग्दी नए पौध स्रोतों अथवा पुनर्चक्रित पेपर्स के उपयोग से प्राप्त की जा सकती है। वर्तमान आवेदन में रासायनिक प्रक्रिया के उपयोग से विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड शामिल हैं। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद तकनीकी विशेषताओं, रासायनिक संरचना तथा अन्य मूलभूत विशेषताओं के रूप में एक समान हैं। इन सभी शीर्षों के उत्पादों का एक समान उपयोग होता है। अतः ये उत्पाद समान हैं और उत्पादों से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गुणवत्ता के संबंध में संभावित छिटपुट अंतरों के बावजूद इन उत्पादों में समान मूलभूत भौतिक विशेषताएँ हैं और इनके समान अंतिम उपयोग हैं। इनकी बिक्री एक समान या समनुरूप

बिक्री माध्यमों के जरिए की जाती है। ये उत्पाद मुख्यतः कीमत के संबंध में प्रतिस्पर्धा करते हैं। केवल एक 8-अंकीय स्तर पर शीर्ष के अंतर्गत रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा क्योंकि आयातक अन्य प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पादों का आयात शुरू कर देंगे। इस प्रकार, घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि उपर्युक्त के मद्देनजर रक्षोपाय जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त उत्पादों वाले उत्पाद क्षेत्र पर “विचाराधीन उत्पाद” के रूप में विचार किए जाने की जरूरत है।

ग. 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद तकनीकी विशेषताओं, रासायनिक संरचना तथा अन्य मूलभूत विशेषताओं के रूप में एक समान हैं। इन सभी शीर्षों के उत्पादों का एक समान उपयोग मुद्रण उद्योग में होता है। ये उत्पाद समान हैं और उत्पादों से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गुणवत्ता के संबंध में संभावित छिटपुट अंतरों के बावजूद इन उत्पादों में समान मूलभूत भौतिक विशेषताएँ हैं और इनके समान अंतिम उपयोग हैं। इनकी बिक्री एक समान या समनुरूप बिक्री माध्यमों के जरिए की जाती है। ये उत्पाद मुख्यतः कीमत के संबंध में प्रतिस्पर्धा करते हैं। केवल एक 8-अंकीय स्तर पर शीर्ष के अंतर्गत रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा क्योंकि आयातक अन्य प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पादों का आयात शुरू कर देंगे। घरेलू उद्योग संदर्भाधीन सभी उत्पादों का विनिर्माण करता है। उपर्युक्त के मद्देनजर रक्षोपाय जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त उत्पादों वाले उत्पाद क्षेत्र पर “विचाराधीन उत्पाद” के रूप में विचार किए जाने की जरूरत है।

**iii. घरेलू उद्योग-** यह आवेदन घरेलू उत्पादकों की ओर से भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए (1) आईटीसी लि.- पेपर बोर्ड्स एंड स्पेशियलिटी पेपर डिवीजन, (2) बल्लारपुर इंड. लि. तथा (3) जे. के. पेपर लि. द्वारा दायर किया गया है और इसका समर्थन इंडियन पेपर मैन्यू. एसोसिएशन ने किया है। आवेदन का समर्थन भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के समस्त ज्ञात घरेलू उत्पादकों ने किया है जिनका हिस्सा कुल घरेलू उत्पादन का लगभग 100% बनता है। तदनुसार, आवेदक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8ख की उप धारा (6) के खण्ड (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग हैं।

**iv. अप्रत्याशित घटनाक्रम :** मौजूदा अप्रत्याशित तथा असंभावित आर्थिक सुस्ती और मंदी के परिणामस्वरूप कुछेक देश अपने सामान्य बाजारों को निर्यात में गिरावट, इन देशों में उत्पादन क्षमताओं की निष्क्रियता का सामना कर रहे हैं। इन देशों के निर्यातक भारतीय बाजार को कम कीमतों पर संवर्धित मात्रा में अपने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं जिनमें अभी भी वृद्धि हो रही है।

**v. संवर्धित आयात :** भारत में कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड का आयात चीन, इंडोनेशिया, फिनलैंड तथा कई अन्य देशों से किया जाता है। कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के आयातों में समग्र रूप में और घरेलू बिक्री की तुलना में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। जाँच अवधि के दौरान आयातों का हिस्सा निम्नानुसार रहा है :-

तालिका 1

वर्ष	आयात (मी. टन)	आयात (सूचीबद्ध)
2006-07	106993	100.00
2007-08	132684	124.01
2008-09 (प्रथम नौ माह)	151848	189.23

इस प्रकार कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के आयातों में समग्र रूप में और कुल घरेलू बाजार की तुलना में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, वर्ष 2007-08 की तुलना में 2008-09 के प्रथम नौ माह में आयातों में अचानक और तीव्र वृद्धि हुई है।

**vi. गंभीर क्षति तथा गंभीर क्षति का खतरा**

**क. बिक्री :** पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वर्ष 2008-09 के दौरान जाँचाधीन उत्पाद की बिक्री में अचानक और तेजी से गिरावट आई है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हो जाता है।

तालिका 2

कुल खपत में बाजार हिस्सा			
	2006-07	2007-08	2008-09 (अप्रैल- दिस. 2008)
आयात का % हिस्सा	30	33	39
घरेलू बिक्री का % हिस्सा	70	67	61

**ख. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा :** वर्ष 2006-07 में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 70% था जो वर्ष 2007-08 में घटकर 67% हो गया। वर्ष 2008-09 के प्रथम नौ माह में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा अत्यधिक घटकर 61% हो गया जबकि आयातों में समग्र रूप में और तुलनात्मक रूप में वृद्धि हुई।

**ग. उत्पादन :** घरेलू बाजार में उपलब्ध कुल सामग्री में आयातों के हिस्से में वर्ष 2007-08 की तुलना में 2008-09 (अप्रैल-दिसंबर, 2008) में हाल की अवधि में भी तेजी से वृद्धि हुई है। कुल उपलब्ध सामग्री का हिस्सा पूर्ववर्ती वर्ष के 67% की तुलना में घटकर 61% हो जाएगा।

तालिका 3

उपलब्ध कुल सामग्री में हिस्सा			
	2006-07	2007-08	2008-09 (अप्रैल- दिस. 2008)
आयात का % हिस्सा	30	33	39
घरेलू उत्पादन का % हिस्सा	70	67	61

**घ. आयात कीमतों की प्रवृत्ति :** जाँच अवधि के दौरान भारत को आयात की कीमत में तेजी से गिरावट आई है।

**तालिका: 4**

	भास्ति औसत सीआईएफ अम. डा./मी. टन
सित.-08	940
अक्तू.-08	932
नव.-08	913
दिस.-08	867

**ड. लाभप्रदता एवं लगाई गई पूँजी पर आय :** घरेलू उद्योग की लाभप्रदता तथा लगाई गई पूँजी पर आय (गोपनीय) में गिरावट आई है। जाँच अवधि के दौरान आयातों की पहुँच कीमत तथा घरेलू बिक्री कीमत में अंतर में वृद्धि हुई है।

**च. उत्पादकता :** प्रारंभिक जाँच से इस बात का कोई संकेत नहीं मिलता है कि क्षति उत्पादकता में गिरावट के कारण हुई है।

कोटेड पेपर और पेपर बोर्ड	तौल के बाद औसत		
वर्ष	2006-07	2007-08	2008-09 (दिसम्बर तक)
पी.बी.टी. मी.टन	4187.26	1378.28	317.69
आर.ओ.सी.ई. % ई.बी.आई.टी./कैपिटल एम्प्लॉईड	14.06%	7.34%	4.27%

**vii. संवर्धित आयात तथा गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बीच कारणात्मक संबंध :** वर्ष 2006-07 से वित्त वर्ष 2008-09 के प्रथम नौ माह तक की अवधि के लिए उपर्युक्त मापदण्डों के व्यापक मूल्यांकन से यह पता चलता है कि कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के भारतीय उत्पादकों को गंभीर क्षति होने तथा अत्यधिक व्यवधान उत्पन्न होने का खतरा पैदा हो गया है। उपर्युक्त आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2007-08 की तुलना में अप्रैल-दिसंबर, 2008 के दौरान आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है और आयातों का हिस्सा बढ़ा है। जिस अवधि में आयात में वृद्धि हुई है, उस अवधि में घरेलू उद्योग को उसके हिस्से के रूप में और लगाई गई पूँजी पर आय के रूप में क्षति हुई है। अतः हाल की अवधि में आयात में वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है। पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में चालू वित्त वर्ष के दौरान लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है और यह आयातों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण आई है। इससे स्पष्टतः कम कीमत पर हुए आयातों में वृद्धि तथा घरेलू उद्योग के समक्ष उत्पन्न गंभीर क्षति के बीच प्रत्यक्ष सह-संबंध की पुष्टि होती है और आयातों में वृद्धि होने से कीमतों पर दबाव और घरेलू उद्योग की बिक्री के हिस्से में गिरावट के रूप में क्षतिकारी प्रभाव पड़ा है।

**VII. समायोजन योजना** - घरेलू उत्पादक ने लागत में कटौती हेतु विस्तृत समायोजन योजना प्रस्तुत की है जिसमें विद्युत उपकरणों के आधुनिकीकरण द्वारा विद्युत की बचत बेहतर विनिर्माण पद्धतियों का उपयोग, प्रबंधन पद्धतियों में सुधार, सभी स्तरों पर सूचना प्रौद्योगिकी तथा

सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं का प्रतिदिन प्रबंधन में संवर्धित उपयोग, प्रशासनिक व्यय में कमी, प्रभावी मालसूची प्रबंधन, विद्युत उत्पादन में वृद्धि, विक्रेता विकास एवं क्षमता विस्तार के अलावा आर एण्ड डी प्रयास शामिल हैं।

**IX. सार्वजनिक हित-** उद्योग लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करता है। यह उद्योग ग्रामीण भारत में कृषक समुदाय से व्यापार की दृष्टि से संबद्ध है। मुख्य कच्ची सामग्री लकड़ी की लुग्दी है और अधिकांश प्रमुख औद्योगिक प्रतिस्पर्धियों ने सतत फार्म एवं अपने-अपने राज्यों में सामाजिक वानिकी तैयार कर ली है। कई वर्षों से आर एण्ड डी द्वारा विकसित उच्च पैदावार वाले खिलौनों का वितरण छोटे एवं मंझोले किसानों में किया जाता है जिससे उन्हें अपनी बंजर एवं शुष्क भूमि में पौधे लगाने की प्रेरणा मिलती है जिसकी वजह से ग्रामीण कृषक समुदाय के लिए रोजगार का सृजन होता है और किसानों को सतत आय भी प्राप्त होती है। हरित क्षेत्र में वृद्धि के उपर्युक्त लाभों के अलावा इस प्रयास से तत्स्थानी आद्रता संरक्षण, भूजल की पुनः भरवाई तथा हवा एवं जल के क्षरण के कारण अत्यधिक मृदा अपरदन में पर्याप्त कमी में प्रत्यक्ष योगदान मिलता है। बहु-प्रजातीय बागानों से लीफ लिटर एवं काष्ठीय अंतरफलकों के संवर्धन के परिणामस्वरूप निर्जीव मृदा में लगातार सुधार होता है। अतः यह सार्वजनिक हित में है कि पेपर उद्योग को बंद न किया जाए।

**X. आपात परिस्थितियाँ :** वर्ष 2006-07 में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 70% से घटकर 2008-09 में 61% हो गया। वर्ष 2008-09 के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयातों के बाजार हिस्से में तेजी से वृद्धि होने के कारण आई है। वर्ष 2008-09 के प्रथम नौ माह की हाल की अवधि में आयातों में यह प्रवृत्ति जारी रहने पर घरेलू उद्योग को भरपाई न होने वाली क्षति होगी। घरेलू उत्पादकों का क्षमता उपयोग आगे और कम हो जाने की संभावना है। यदि रक्षोपाय तुरंत लागू नहीं किए जाते हैं तो घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पहले से ही काफी कम है जिससे वह बाजार हिस्सा पुनः प्राप्त करने में अक्षम है। लगाई गई पूँजी पर आय भी काफी कम है। तदनुसार, प्रारंभिक निर्धारणों से यह पता चलता है कि आपात परिस्थितियाँ मौजूद हैं जिनमें अन्तिम रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने में होने वाले किसी विलंब से ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा।

**XI. अन्य मुद्दे :** घरेलू उत्पादकों, प्रयोक्ताओं, आयातकों और अन्य आर्थिक प्रचालकों के हितों की अन्तिम जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उत्पादकों के पास प्रौद्योगिकी रूप से प्रतिस्पर्धी संयंत्र, प्रशिक्षित जनशक्ति है और उनके पास उत्पादकता का उच्च स्तर है और वे अपने ग्राहकों के गुणवत्ता एवं सेवा संबंधी सरोकार को पूरा करने में समर्थ रहे हैं। अन्तिम शुल्क लगाए जाने में किसी प्रकार के विलंब से उनकी व्यवहार्यता पर गंभीर असर पड़ेगा। यह विवेकपूर्ण है कि सभी के हित में स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी उद्योग कायम रखा जाए। यह स्पष्ट है कि यदि कोई उपाय नहीं किया जाता है तो घरेलू उत्पादकों की कीमतों और बाजार हिस्से दोनों में आगे और कमी आएगी जिससे मालसूची में वृद्धि होगी, उत्पादन में गिरावट आएगी, वित्तीय घाटा बढ़ेगा और रोजगार की हानि होगी।

**XII. विकासशील देश :** ये आयात चीन और इंडोनेशिया से हुए हैं जिनका हिस्सा निम्नलिखित तालिका के अनुसार 3% से अधिक बनता है। अन्य सभी विकासशील देशों से उत्पाद का निर्यात भारत को हुए निर्यातों के 9% से अधिक नहीं बनता है। तदनुसार चीन जन. जन. गण. तथा इंडोनेशिया को छोड़कर 14.12.1998 की अधिसूचना सं. 103/98-सी.शु. (यथासंशोधित) द्वारा

अधिसूचित सभी विकासशील देशों से कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क नहीं लगाया जा सकता ।

**तालिका 5**

	2008-09 (अप्रैल-दिस.) में हुए कुल आयातों में % हिस्सा
चीन जन. गण.	40 %
इंडोनेशिया	12 %

**XIII. निष्कर्ष एवं सिफारिश :** उपर्युक्त प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर यह देखा जाता है कि कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के संवर्धित आयातों से कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है । आपात परिस्थितियाँ, जिनमें रक्षोपाय लागू किए जाने में किसी विलंब से ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा, विद्यमान हैं जिनके तहत गंभीर क्षति तथा गंभीर क्षति के खतरे का अंतिम निर्धारण होने तक 200 दिन की अवधि के लिए अनंतिम रक्षोपाय शुल्क तुरंत लागू करना जरूरी है । घरेलू उत्पादकों द्वारा कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के उत्पादन की औसत लागत (गोपनीय), लगाई गई पूंजी पर उचित आय, पाटनरोधी शुल्क के वर्तमान स्तर तथा कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड की औसत आयात कीमतों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के हित की सुरक्षा करने के लिए भारत में सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के अंतर्गत 4810 13 10, 4810 13 20, 4810 13 30, 4810 13 90, 4810 14 10, 4810 14 20, 4810 14 30, 4810 14 90, 4810 19 10, 4810 19 20, 4810 19 30, 4810 19 90, 4810 29 00, 4810 31 00, 4810 32 00, 4810 92 00 तथा 4810 99 00 के अंतर्गत वर्गीकृत कोटेड पेपर तथा पेपर बोर्ड के आयातों पर मूल्यानुसार 20% (बीस प्रतिशत) की दर से रक्षोपाय शुल्क को न्यूनतम रूप से अपेक्षित माना जाता है ।

**क. आगे की प्रक्रिया :** अंतिम निर्धारण करने से पूर्व यथासमय सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जाएगी जिसकी तारीख के बारे में अलग से सूचना दी जाएगी ।

**ख. अन्तिम निष्पत्ति के पूर्व यथासमय सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया जायेगा जिसकी तिथि की सूचना अलग से दी जायेगी ।**

**ग. सम्बद्ध पक्ष दिनांक 25.05.2009 के पूर्व प्रारम्भिक जाँच के विषय में अपने विचार महानिदेशक के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं ।**

[फा. सं. डी-22011/25/2009]

एस. एस. राणा, महानिदेशक

**DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE****NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th April, 2009

**PRELIMINARY FINDINGS**

**Subject :—** Safeguard investigation concerning imports of Coated Paper and Paper Board.

**G.S.R. 285(E).**—Having regard to the Custom Tariff Act, 1975 and the Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 thereof—

**1. Procedure**

The notice of initiation of safeguards investigation concerning imports of Coated Paper and Paper Board into India was issued on 20<sup>th</sup> April 2009 and was published in the Gazette of India, Extraordinary on the same day. A copy of the notice was also sent to all known interested parties as under:-

**Domestic Producers**

- I. ITC Limited -Paperboards and Specialty Papers Division  
106, Sardar Patel Road,  
Secunderabad - 500003,  
Andhra Pradesh.
- II. Ballarpur Industries Limited.  
First India Place, Tower C,  
Mehrauli Gurgaon Road,  
Gurgaon (Haryana) - 122001
- III. JK Paper Limited  
Nehru House, 4 Bafadur Shah Zafar Marg,  
New Delhi-110 002

**Domestic Producers Association**

- I. Indian Paper Manufacturers Association  
PHD House, (4<sup>th</sup> floor),  
4/2 Siri Institutional Area,  
(Opp. Asian Games Village),  
New Delhi-110 016

**Importers and Users**

- I. Chimanlal Fein Paper Pvt. Ltd  
40/42, Bombay Mutual Building  
293, Dr. D.N. Road  
Mumbai
- II. Infinity Industries Pvt. Ltd  
Haroon House, 1<sup>st</sup> Floor,  
294, Parin Nariman Street, Opp RBI  
Mumbai
- III. Ajanta Offset and Packaging Limited:  
Plot no. 61, Sector 27- C, Faridabad,  
Haryana - 121003
- IV. Aero Exports  
Plot no. 183, Sector IV,  
Manesar, Gurgaon, Haryana,
- V. Nutech Photolithographic  
C-74, Okhla Industrial Area, Phase - I,  
New Delhi - 110020
- VI. Replika Press Private Limited  
310 & 311, HSIDC, Kindli, Haryana - 131028
- VII. Brijbasi Printers  
E-46/11, Okhla Industrial Area, Phase - II,  
New Delhi
- VIII. Rajaram  
2396 Chatta Shahji,  
Chawri Bazar, Delhi -110006
- IX. Shoba Cards  
Global House,  
4800/24, Bharatram Road,  
Darya Ganj, New Delhi - 110002
- X. Suneja Sons  
423- Chilta Gate,  
Chawri Bazar, Delhi - 110006

**Exporters & Foreign Producers**

- I. Gold East Paper (Jiangsu) Co., Ltd.  
8 Xing Gang Dong RD.,  
Dagang, ZhenJiang,  
JiangSu,  
China, 212132
- II. APP - Indonesia  
Pt. Pindo Deli Pulp and Paper Mills,  
Plaza B11- Menara II  
9th Floor, JL MH Thamrin no. 51  
Jakarta.
- III. SAPPI : M/s Sappi Deutschland  
GMBH Berliner allee  
14 D- 30175 Hannover  
C/o Sappi Singapore pte  
Anson Road 079903
- IV. Stora Enso Oyj  
P.O. Box 309, FI-00101 Helsinki,  
Finland.
- V. Chenming Paper Co. Ltd  
Nanchan Changbei Economic and Technical Development zone  
Jiangxi,  
China
- VI. M/s. Stora Enso Suzhou Paper Co. Ltd  
600 Binhe Road,  
Sozhou New District  
Suzhou City  
China.
- VII. M-real corporation  
PO Box 20, Metsa 02020,  
Finland
- VIII. Moorim Paper Co.  
281 - 1 Sangyong - dong ,  
Jinju - sl , 660903, South Korea

- IX. Hong Wong Paper Mfg. Co. Ltd,  
#14,Imgwang Bldg ,  
Migeun - dong ,  
Seoul , South Korea
- X. Hansol Paper Co. Limited ,  
22nd floor , Hansol Bldg,  
736-1 ,Yeoksam - dong  
Gangnam - gu -Seoul  
135 - 080 , South Korea
- XI. Gold East Trading (HONGKONG) Co Ltd,  
Unit 501-504A,  
Empire Centre 68 Mody Road,  
T SimshaTsui East,  
Hongkong
- XII. Kowa Company Ltd,  
6-29 Nishiki 3- Chome Naka-Ku Nagoya,  
Japan
- XIII. Vital Solutions pte Ltd,  
Singapore 069532
- XIV. Daiei Paper (S.A.) Pte Ltd,  
3. Shenton way,  
# 11-08,Shenton House  
Singapore
- XV. Cellmark asia Pte Ltd,  
47 Scotts road  
# 12-01 Goldbell Towers,  
Singapore

- i. A copy of the notice was also sent to Governments of exporting countries through their Embassies in New Delhi.
- ii. Questionnaires were also sent, on the same day, to all known domestic producers, exporters and importers and they were asked to submit their response within 30 days.
- iii. All non confidential versions of the application, response and additional submissions have been kept in the Public Folder.

## **2. View of the Domestic Industry**

- i. The application has been filed by (1) ITC Limited -Paperboards and Specialty Papers Division, 106, Sardar Patel Road, Secunderabad - 500003, Andhra Pradesh, (2) Ballarpur Industries Limited, First India Place, Tower C, Mehrauli Gurgaon Road, Gurgaon (Haryana) - 122001 and (3) JK Paper Limited, Nehru House, 4 Bafadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 Supported by Indian Paper Manufacturers Association, PHD House, (4th floor), 4/2 Siri Institutional Area (Opp. Asian Games Village), New Delhi-110 016 for imposition of Safeguard Duty on imports of Coated Paper and Paper Board made primarily from virgin chemical pulp into India to protect the domestic producers of Coated Paper and Paper Board against serious injury and continued threat of serious injury caused by the increased imports of Coated Paper and Paper Board made primarily from virgin chemical pulp into India. The applicants have made following major points:-
- ii. The applicants have alleged that increased imports of Coated Paper and Paper Board into India have caused serious injury to domestic industry and is continuing to threaten serious injury to domestic industry.
- iii. The domestic industries manufacture Coated Paper and Paper Board made primarily from virgin chemical pulp falling under various headings of chapter heading 4810. The domestic industry has submitted that their products are directly competing products with imported products falling under 48101310, 48101320, 48101330, 48101390, 48101410, 48101420, 48101430, 48101490, 48101910, 48101920, 48101930, 48101990, 48102900, 48103100, 48103200, 48109200 and 48109900 of HSN as well as Customs Tariff Act, 1975. The applicants have alleged serious injury caused to the domestic producer by the increased imports of Coated Paper and Paper Board made primarily from virgin chemical pulp into India and falling under above headings at eight digit level. Papers and paperboards are made using pulp obtained by chemical or mechanical process or a combination of both. Further the pulp can be obtained either using fresh plant sources or from recycled paper. The present application covers coated paper and paperboard primarily made with virgin pulp using chemical process. The coating may be either on one side or both sides. Blade coating technology is most common for coating these papers and paperboards. The domestic industry has argued that the products falling under the headings mentioned above at eight digit level are same as far as their technical characteristics, chemical composition and other basic features are concerned. The products of all these headings find similar uses. Therefore these products are like and directly competing products. Despite possible minor superficial differences, in terms of quality, these products have the similar basic physical characteristics and similar end uses. These are sold via similar or identical sales channel. These products compete mainly on price. Imposition of safeguard duty on one heading

at eight digit level in isolation will not serve any purpose as importers will start importing other directly competing products. Thus the domestic industry has argued that in view of above, for the purposes of safeguard investigation the product basket consisting of products mentioned above needs to be considered as the 'product under consideration'.

- iv. They have alleged that surge in imports are taking place at lower prices making them lose their market share.
- v. The increased imports at lower prices are on account of unforeseen developments as mentioned below:

Fall in demand in exporting countries has forced manufacturers in those countries to get rid of their surplus inventories through excessive discounts of export and this is a cause for sudden increase in imports. The major players have very small domestic demand compared to their respective production capacities. The far East paper producers created huge capacity of coated paper and paperboard. Out of this capacity major portion was meant for developed countries. On account of sudden decline in demand in developed countries, the importers of developed countries stopped buying paper from these countries which resulted into huge stock built up with the companies of Exporting Countries. The result is that these units are left with piled stock of coated paper and paperboard which they are trying to export at lower prices to India, which is still growing at a fair rate of growth. As a result they started exporting the product into Indian market at a reduced price to release working capital from the huge stock built up, which is causing serious injury and threatening to cause serious injury to domestic industry.

- vi. The Profitability and return on capital employed of domestic industry has gone down. The difference in landed price of imports and domestic selling price has gone up during the period of investigation and has caused serious injury and posing a continued threat of serious injury.
- vii. They have requested for imposition of Safeguard duty to protect the domestic producers of coated paper and paperboard against serious injury as well as threat of continuing serious injury caused by the increased imports.
- viii. They have alleged that unforeseen development has caused increased in imports and increased in imports has caused serious injury. There is no other factor which has perceptible bearing on the serious injury / threat of serious injury faced by the domestic producer.

- ix. The applicants submit that the imposition of safeguard duty on Coated Paper and Paper Board shall not cause harm to public interest as prices of domestic Coated Paper and Paper Board are more or less stable in India. Further the applicants have submitted that apart from direct employment to their employees paper industry provides support to farmers in earning their livelihood and are instrumental in soil conservation. Therefore imposition of safeguard duty for protecting paper industry will be really in public interest.
- x. Applicants' proposes to adopt an appropriate strategy to improve upon efficiency and to bring cost effectiveness to compete with the international players.
- xi. They have also requested for imposition of provisional Safeguard duty in light of critical circumstances, leading to damage which would be difficult to repair.

### 3. Findings of D.G.

- i. The issue to impose immediate safeguard measures is examined. It has been found that a total of 168 Safeguard Initiations have been reported to the WTO during the period between 29.03.1995 and 12.11.2008. It is observed that in several of these cases provisional safeguard measures have been recommended/ imposed immediately after initiation of the safeguard investigation. In several cases the provisional safeguard measures have been recommended on the same day as the date of initiation of the investigation. The Rule 9 of Customs Tariff (Identification And Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 notified vide Notification No. 35/97-NT-Customs dated 29.07.1997 prescribes that the Director General shall proceed expeditiously with the conduct of the investigation and in critical circumstances, he may record a preliminary finding regarding serious injury or threat of serious injury. The principles governing investigations have been provided in the Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 which is independent to Rule 9. The Rule 15 of the Customs Tariff (Identification And Assessment of Safeguard Duty) Rules provide for refund of differential Safeguard duty in case safeguard duty imposed after conclusions of the investigations is lower than the provisional duty already imposed and collected. The harmonious reading of Rules 6, 9 and 15 of the said Rules leads to a conclusion that the Rules provide for expeditious recommendation of provisional Safeguard duty based on preliminary findings and refund of the differential duty in case it is ascertained that the duty imposed after conclusion of investigation following natural justice as enshrined in the Rule 6 is lower than the provisional Safeguard Duty. However, in critical circumstances any delay in imposition of provisional Safeguard duty may cause damage which would be difficult to repair. Accordingly, it was considered prudent to analyze circumstances to assess whether the same falls in the category of critical circumstances.

**ii. The product under investigation**

- a. The applicants have alleged that increased imports of Coated Paper and Paper Board into India have caused serious injury to domestic industry and is continuing to threaten serious injury to domestic industry. The domestic industries manufacture Coated Paper and Paper Board made primarily from virgin chemical pulp falling under various headings of chapter heading 4810. The domestic industry has submitted that their products are directly competing products with imported products falling under 48101310, 48101320, 48101330, 48101390, 48101410, 48101420, 48101430, 48101490, 48101910, 48101920, 48101930, 48101990, 48102900, 48103100, 48103200, 48109200 and 48109900 of HSN as well as Customs Tariff Act, 1975. The applicants have alleged serious injury caused to the domestic producer by the increased imports of Coated paper and paperboard made primarily from virgin chemical pulp into India and falling under above headings at eight digit level.
- b. Papers and paperboards are made using pulp obtained by chemical or mechanical process or a combination of both. Further the pulp can be obtained either using fresh plant sources or from recycled paper. The present application covers coated paper and paperboard primarily made with virgin pulp using chemical process. The coating may be either on one side or both sides. Blade coating technology is most common for coating these papers and paperboards. The domestic industry has argued that the products falling under the headings mentioned above at eight digit level are same as far as their technical characteristics, chemical composition and other basic features are concerned. The products of all these headings find similar uses. Therefore these products are like and directly competing products. Despite possible minor superficial differences, in terms of quality, these products have the similar basic physical characteristics and similar end uses. These are sold via similar or identical sales channel. These products compete mainly on price. Imposition of safeguard duty on one heading at eight digit level in isolation will not serve any purpose as importers will start importing other directly competing products. Thus the domestic industry has argued that in view of above, for the purposes of safeguard investigation the product basket consisting of products mentioned above needs to be considered as the 'product under consideration'.
- c. The products falling under these headings at eight digit level are similar as far as their technical characteristics, chemical composition and other basic features are concerned. The products of all these headings find similar uses in printing industry. These products are technically and commercially like and directly competing products. Despite possible minor superficial differences,

in terms of quality, these products have the similar basic physical characteristics and the similar end uses. These are sold via similar or identical sales channel. These products compete mainly on price. Imposition of safeguard duty on one heading at eight digit level in isolation will not serve any purpose as importers will start importing other directly competing products. The domestic industry manufactures all the products in question. In view of above, for the purposes of safeguard investigation the product basket consisting of coated paper and paperboard consisting of the product mentioned above needs to be considered as the 'product under consideration'.

- iii. **Domestic Industry** - The application has been filed by (1) ITC Limited - Paperboards and Specialty Papers Division, (2) Ballarpur Industries Limited, and (3) JK Paper Limited - on behalf of domestic producers of Coated Paper and Paper Board made primarily from virgin chemical pulp for imposition of Safeguard Duty on imports of Coated Paper and Paper Board and supported by Indian Paper Manufacturers Association. The application has been supported by all the known domestic producers of Coated Paper and Paper Board made from virgin chemical pulp in India accounting for almost 100% of the total domestic production. Accordingly, the applicants constitute domestic industry in terms of clause (b) of subsection (6) of Section 8B of the Customs Tariff Act, 1975.
- iv. **Unforeseen Developments:** As a result of current unforeseen and unexpected economic melt down and recession, some of the countries are faced with fall in export to their normal markets, idling of production capacities in those countries. Exporters of these countries are resorting to export of their products in increased quantities at low prices to Indian market, which still continues to enjoy growth.
- v. **Increased Imports** - Coated Paper and Paper Board is imported into India from China, Indonesia, Finland and many other countries. The imports of Coated Paper and Paper Board have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the domestic sales. The share of imports during the period of investigation is as under

Table I

Year	Imports (MT)	Import (Indexed)
2006-07	106993	100.00
2007-08	132684	124.01
2008-09 (First nine months)	151848	189.23

The imports of coated paper and paperboard have thus increased in absolute terms as well as in relative terms compared to total domestic market. Further there is a sharp and sudden increase in first nine months of 2008-09 compared to 2007-08.

**vi. Serious injury and Threat of serious injury -**

- a. **Sales:** The share of domestic sales of the product under investigation has seen sudden and sharp decline during the year 2008-09 compared to the preceding year as apparent from the Table below.

**Table: 2**

Market share in total consumption			
	2006-07	2007-08	2008-09 (Apr-Dec 2008)
% Share of imports	30	33	39
% Share of domestic Sales	70	67	61

- b. **Market Share of domestic Industry:** Market share of domestic industry was 70% in 2006-07, which declined to 67% during 2007-08. In the first nine months of 2008-09, market share of domestic industry saw significant fall to 61% whereas there is a growth in imports in absolute terms as well as relative terms.
- c. **Production:** The share of domestic production in the total available material in domestic market has also seen a steep decline in recent period of 2008-09 (April-Dec 2008) compared to 2007-08. The share of domestic production in total available material has gone down to 61 % compared to 67% of previous year.

**Table: 3**

Share in total available material			
	2006-07	2007-08	2008-09 (Apr-Dec 2008)
% Share of imports	30	33	39
% Share of domestic production	70	67	61

- d. **Trend of Import Prices:** The Export price to India has shown a steep decline during the period of investigation.

Table: 4

	Weighted Average CIF USD/MT
September 2008	940
October 2008	932
November 2008	913
December 2008	867
January 2009	740
February 2009	700
March 2009	680

- e. **Profitability and return on capital employed:** The Profitability and return on capital employed of domestic industry has gone down. The difference in landed price of imports and domestic selling price has gone up during the period of investigation.

Table: 5

Coated Paper and Paperboard	Weighted average		
Year	2006-07	2007-08	2008-09 (up to Dec)
PBT per MT	4187.26	1378.28	317.69
ROCE % (EBIT/Capital Employed)	14.06 %	7.34 %	4.27 %

- f. **Productivity:** The preliminary investigation shows no indication to suggest that the injury is on account of loss of productivity.
- vii. **Causal link between increased import and serious injury or threat of serious injury:** A comprehensive evaluation of parameters as above for the period from 2006-07 up to the first nine months of the financial year 2008-09 demonstrates serious injury and significant impairment of the Indian producers of coated paper and paperboard. The figures above show that in Apr-Dec 2008, Imports in absolute terms as well as Share of Imports has gone up when compared to 2007-08. In the same period when imports have gone up, domestic industry is injured as Share of

domestic Industry and Return on Capital employed has gone down. Therefore in the recent period there is a surge in import and as a result of which there is a serious injury to domestic industry during the same period. The huge loss of profitability during the current financial year compared to the previous years profit also coincides with significant increase in share of imports. This clearly depicts a direct correlation between the increase in imports at lower prices and serious injury suffered by the domestic industry and the increase in imports has had injurious effects in terms of pressure on prices and a reduction in share of the domestic industry in sales.

- viii. **Adjustment plan** - The domestic producer has submitted detailed adjustment plan to cut cost, which includes social forestry measures to cut raw material costs, Power saving by modernizing electrical equipments, Use of better manufacturing practices, Improvement in management practices, enhanced use of Information Technology (IT) and IT enabled services in every day management at all the levels, Reduction of administrative expenses, Effective Inventory Management, increasing power generation, vendor development and R&D efforts apart from capacity expansion.
- ix. **Public Interest:** The industry generates employment to lakhs of people directly and indirectly. The industry is backward linked to the farmers' community in rural India. The main raw material is pulpwood and most of the leading industry players have developed sustainable farm and social forestry in their respective States. High yielding clones developed by R&D over several years are distributed to the small and medium farmers encouraging them to plant them in their waste and dry lands, which generates rural employment to the rural farming community and also sustainable income to the farmers. Apart from the obvious benefits of increasing the green cover, this effort also directly contributes to in-situ moisture conservation, ground water recharge and significant reduction in top soil losses due to wind and water erosion. As a result of the leaf litter from multi-species plantations and the promotion of leguminous intercrops, depleted soils are constantly enriched. Therefore it is in the larger public interest that paper industry must not be closed.
- x. **Critical Circumstances:** The market share of domestic industries has fallen from 70% in 2006-07 to 61% in 2008-09. The trend of imports in the recent period of first nine months of 2008-09, if continues will cause irreparable damage to domestic industry. The capacity utilization of domestic producers is likely to go down substantially further if safeguard measures are not taken immediately. The profitability of domestic industry is already all time low incapacitating them to regain market share, if immediate safeguard measures are not taken. The return on capital employed is also all-time low. Accordingly, the preliminary determination

shows that critical circumstances exist in which delay in imposing provisional safeguard duty cause would damage which it would be difficult to repair.

- xi. **Other Issues:** The provisional examination of the interests of the domestic producers, users, importers and other economic operators indicate that the domestic producers have technologically competitive plants, trained manpower and enjoyed high level of productivity and are able to meet quality and service concern of their customers. Any delay in imposition of provisional safeguard duty would seriously jeopardize their viability. It is prudent to have a healthy and competitive industry in the interest of all. It is apparent that if no safeguard measures are taken, both the prices and the market share of the domestic producers will further deteriorate resulting in increased inventories reduced production, increased losses and loss of employment.
- xii. **Developing Nations:** There have been imports from China and Indonesia, which are more than 3% as shown below. Imports of the product from all other developing countries taken together do not contribute more than 9% of imports to India. Accordingly, imports of coated paper and paperboard from all developing nations as notified vide Notification No. 103/98-Cus dated 14.12.1998 (as amended) except China PR and Indonesia may not attract safeguard duty.

Table 6

	% share in total imports in 2008-09 (Apr-Dec)
CHINA P RP	40%
INDONESIA	12%

- xiii. **Conclusion and Recommendation:** On the basis of the above preliminary findings it is seen that increased imports of coated paper and paperboard have caused serious injury to domestic producers of coated paper and paperboard. There exist critical circumstances, where any delay in application for safeguard measures would cause damage which it would be difficult to repair, necessitating immediate application of provisional safeguard duty for a period of 200 days, pending a final determination of serious injury and threat of serious injury. Considering the average cost of production of coated paper and paperboard by the domestic producers (confidential), a reasonable return on capital employed, the interest of end users, the present level of import duties and the average import prices of Coated Paper and Paper Board, **safeguard duty at the rate of 20% (twenty percent) ad-valorem** is considered to be the minimum required safeguard duty to

protect the interest of domestic industry and is recommended to be imposed on imports of "coated paper and paperboard made primarily from virgin chemical pulp and classified under sub-heading Nos. 48101310, 48101320, 48101330, 48101390, 48101410, 48101420, 48101430, 48101490, 48101910, 48101920, 48101930, 48101990, 48102900, 48103100, 48103200, 48109200 and 48109900 of Schedule I of the Customs Tariff Act 1975" into India.

**xiv. Further Process:**

- (a) The information provided by various parties may be subject to verification wherever necessary for which they will be informed separately.
- (b) A public hearing will be held in due course before making a final determination, for which the date will be informed separately.
- (c) Interested parties may make their views known to the DG on this preliminary findings on or before 25.05.2009

[F. No. D-22011/25/2009]

S. S. RANA, Director General